1	2	3	4
सूरज सिंह	10,000	63,920	—
लखन नायक	12,500	69,008	50,000
बालरू	12,500	82,380	50,000
ललवा	12,500	83,192	50,000
विपती	12,500	76,856	50,000
लालू	12,500	80,664	50,000
बुधसेन	12,500	62,566	50,000

उपर्युक्त मामलों में किसी भी प्रकार की सहायता राशि देनी बकाया नहीं है ।

उत्तम गुणवत्ता के कोयले का उत्पादन करने के लिए निजी क्षेत्र में कोयला धोवनशालाएं (कोल वाशरीज)

4278. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री वीरेन जे० शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा देश में उत्तम गुणवत्ता के कोयले का उत्पादन करने के लिए कोयला धोवनशालाओं (कोल वाशरीज) की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए एक योजना बनाई गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अंतर्गत क्या-क्या प्रोत्साहन दिए जाने हैं ;

(ग) क्या देश में उत्तम गुणवत्ता के कोककारी कोयले का उत्पादन करने के लिए कोई समय-सीमा भी निर्धारित की गई है, यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक कोककारी कोयले का देश में उत्पादन करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ; और

(घ) देश में कहां-कहां कितनी-कितनी क्षमता वाली कोयला धोवनशालाएं (कोल वाशरीज) स्थापित करने की योजना है एवं वर्ष 1993-94 के दौरान देश में ऐसे कार्यों को करने की उत्पादन की क्षमता सम्पन्न धोवनशालाओं में कुल कितनी मात्रा में कोयले का धोवन किया गया/उत्पादन किया गया ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां । कोल इंडिया लि० ने निजी क्षेत्र में कोयले की वाशरियों की स्थापना को प्रोत्साहित किए जाने के लिए एक योजना निष्पादित की है ।

(ख) को०इं०लि० कोयले की व्यवस्था करेगा और यह धुलाई प्रभारों की अदायगी भी करेगा । यह वाशरियों के लिए अपेक्षित भूमि को पट्टा तथा परियोजना को स्थापित किए जाने के लिए सभी तरह की तकनीकी सहायता भी मुहैया करेगा । इस संबंध में उद्यमियों से यह आशा है कि वे अपनी ओर से निवेश, डिजाइन, निर्माण करने तथा वाशरियों को चलाए जाने और चालू किए जाने का कार्य करेंगे ।

(क) चूंकि यह योजना आरंभिक चरण में है, अतः इसके लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है । एक तकनीकी दल द्वारा 1993 में किए गए मूल्यांकन के अनुसार 8 वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक देशीय धुले तथा सीधे फीड कोककर कोयले की उपलब्धता 15.09 मि० टन होगी, जोकि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० और विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी ।

(घ) वर्तमान में निजी क्षेत्र में स्थापित किए जाने के लिए को० इं० लि० द्वारा निम्नलिखित वाशरियों को विनिर्दिष्ट किया गया है :—

वाशरियों के नाम	वार्षिक क्षमता
1. से० को० लि० में पौरेज	1.75 मिलियन टन
2. भा० को० लि० में गोलकडीह .	0.6 मिलियन टन
3. ना० ई० को० की टिकाक .	0.6 मिलियन टन

वर्ष 1993–94 में 11.74 (अनन्तिम) मि० टन धुले हुए/कोककर कोयले का उत्पादन किया गया है ।

विदेशी वित्तीय संस्थाओं की सहायता से कोयला परियोजनाओं का पूरा किया जाना

4279. **श्री राम जेठमलानी :**
प्रो० विजय कुमार मलहोत्रा :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या देश में दिसम्बर, 1993 के अंत तक कुल कितनी कोयला उत्पादन परियोजनाएं निर्माणाधीन थीं ;

(ख) इनमें से उन परियोजनाओं की संख्या कितनी थी जिन्हें विदेशी वित्तीय संस्थाओं के वित्तीय सहयोग से पूरी की जा रही थी तथा इन वित्तीय संस्थाओं

द्वारा इन परियोजनाओं के निर्माण हेतु कुल कितनी राशि मंजूर की गई थी;

(ग) क्या इन निर्माणाधीन परियोजनाओं पर यह राशि वास्तविक रूप से व्यय की गई थी;

(घ) यदि नहीं, तो अप्रयुक्त राशि की मात्रा क्या थी तथा इस अप्रयुक्त राशि के लिए सरकार द्वारा वर्ष 1993-94 में कितनी राशि "वचनबद्धता चार्ज" के रूप में दी गई थी, और

(ङ) इन निर्माणाधीन कोयला परियोजनाओं की उत्पादन क्षमता क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ङ) दिसम्बर, 1993 के अंत तक प्रत्येक 20 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली 65 कोयला उत्पादक परियोजनाएं कोयला क्षेत्र में निर्माणाधीन हैं और इनमें से 9 पयोजनरिाएं विदेशों/वित्तीय संस्थानों की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही थीं । क्षमता, स्वीकृति राशि मार्च, 1994 तक खर्च की गई राशि का परियोजना-वार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए) । वर्ष 1993-94 के दौरान उपयोग न किए गए विदेशी ऋण पर कुल अदा की गई वचनबद्ध प्रभार की राशि 1.35 करोड़ रु० की है ।

विवरण

क्र० सं०	परियोजना/कंपनी का नाम	क्षमता (मि० टन प्रति-वर्ष)	सहयोगकर्ता देश/ अभिकरण	जोड़ ऋण/ ऋणदाता की मुद्रा ऋण	ऋण दाता की मुद्रा में कार्य मार्च, 1994 तक कुल सहायता उपयोगिता
1.	राजमहल-ओका (ई० को० लि०)	10.5	कनाडा	166.00	155.300
2.	कोटाडीह-भू० ग० (ई० को० लि०)	1.38	फ्रांस	215.562	189.763
3.	सोनपुर बाजारी-ओ० का० (ई० को० लि०)	3.0	विश्व बैंक	97.86	59.765
4.	पिपरवार समन्वित खान-सह-परिष्करण परियोजना (से० को० लि०)	6.5	आस्ट्रेलिया	206.600	158.020
5.	रामागुंडम-ओकाप-II (सिं० को० कं० लि०)	2.0	जर्मनी	172.387	92.117
6.	जी० डी० के०-10 भू० ग० (सिं० को० कं० लि०) (बी० जी०)	0.25	फ्रांस	63.650	53.400
7.	जी० डी० के०-10 भ० ग० (सिं० को० कं० लि०) (बी० जी०)	0.20			
8.	जी० डी० के० 10-" "-भू० ग० (सिं० को० कं० लि०	0.57	यू० के०	6.300	6.120
9.	वकीलपल्ली ब्लाक "ए" (सिं० को० कं० लि०)	0.45	यू० के०	4.950	3.919

Import of machinery by Western Coalfields Ltd.

4280. SHRI GOVINDRAO ADIK : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) what is the total amount of machinery imported by Western Coalfields Ltd. during the last two years;

(b) what are the details of payments made on account of landing charges, duty, additional duty and any other taxes for these imports;

(c) what was the foreign exchange involved ; and

(d) what are the justifications for these imports when such machinery was available in India ?